गृह विज्ञान - कोड नं.064

अंक योजना

कक्षा -बारहवीं - (2025-2026)

समय-3 घंटे **अधिकतम अंक - 70**

क्र.सं.	खंड क (बहुविकल्पीय प्रश्न)	अंक
1.	(क) कमर में चुन्नटें	1
2.	(ग) नरम आहार	1
3.	(ग) घरेलू बागवानी को प्रोत्साहित करना	1
4.	(ख) ई-सेवाएं प्रदान करने के लिए टेली-सेंटर स्थापित करना	1
5.	(घ) कमरे के आरक्षण और दरों की पुष्टि करना	1
6.	(ख) सफ़ाई और विसंक्रमण	1
7.	(ग) तृतीय स्तर	1
8.	(ग) किसी संगठन के गुणवत्ता प्रबंधन से संबंधित	1
9.	(घ) स्थानीय बोलियों में संचार	1
10.	(ख) सीखने का आधार खेल	1
11.	(क) कृत्रिम स्वीटनर	1
12.	(क) 1-II,2-IV,3-I,4-III	1
13.	(ग) A सही है, लेकिन R गलत है।	1
14.	(क) A और R दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है।	1
	खंड ख (अति लघु और लघु उत्तर प्रश्न)	
15 क.	**"राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम" की दो विशेषताएं-** 1.युवाओं को अपने-अपने देशों की विकास प्रक्रियाओं में भाग लेने में मदद करना। 2.राष्ट्रमंडल देशों के बीच सहयोग और समझ बढ़ाने के लिए एक मंच प्रदान करना। 3.इस कार्यक्रम के तहत, भारत, जाम्बिया और गुआना में युवा कार्यों में उन्नत अध्ययन के लिए तीन क्षेत्रीय केंद्र स्थापित किए गए हैं। 4.एशिया पैसीफिक क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़, भारत में स्थापित किया गया है। **कोई अन्य, कोई दो** **अथवा**	1X2=2 **अथवा**
15 ख.	**बच्चों की मदद के लिए समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) द्वारा प्रदान की जाने वाली दो सेवाएं-** 1. बच्चों के लिए पूरक आहार 2. अनौपचारिक पूर्व विद्यालय शिक्षा	1X2=2

	3. वृद्धि की निगरानी 4. बुनियादी स्वास्थ्य एवं देखरेख संबंधी सेवाएं **कोई अन्य, कोई दो**	
16 क.	**अपना मनपसंद कार्य करने से किसी व्यक्ति के व्यक्तिगत विकास पर होने वाले दो प्रभाव-** 1.व्यक्ति को संतोष मिलता है 2.जीविका को करने के लिए उसे प्रेरणा मिलती है 3.आंतरिक अथवा उत्कृष्ट उद्देश्य की प्राप्ति के लिए प्रेरित होता है **कोई अन्य, कोई दो** **अथवा**	1X2=2 **अथवा**
16 ख.	**एर्गोनोमिक सिद्धांतों के आधार पर समाधान डिजाइन करने में आवश्यक दो उद्यमी गुण हैं-** 1.कठिन मुद्दों से निपटने और समाधान खोजने की क्षमता 2.यथार्थवादी होना और आसान समाधान की उम्मीद नहीं करना 3.गतिरोधों, चुनौतियों और असफलताओं का सामना करने की योग्यता होना 4.विनम्र होना और संकट की स्थितियों से निपटने की योग्यता **कोई अन्य, कोई दो**	1X2=2
17 क.	**प्रमुख कार्यालय प्रबंधक के दो कर्तव्य-** 1. गृह व्यवस्था तथा अन्य विभागों से समन्वय करना 2.पालियां में आने वाले स्टाफ के आवर्तन और ड्यूटी की सारणी बनाना 3.प्रमुख कार्यालय, लॉबी, परिवहन क्रियाकलाप की व्यवस्था करना 4.दिन में आगमन की जांच करना **कोई अन्य, कोई दो** **अथवा**	1X2=2 **अथवा**
17 ख.	**कार्यपालक गृह -अनुरक्षक के दो उत्तरदायित्व-** 1.जनशक्ति, पदार्थों, धन, समय तथा अन्य संसाधनों के विवेकपूर्ण प्रयोग द्वारा विभाग की कार्य प्रणाली का प्रबंध करना 2.गृह व्यवस्था विभाग की समय सारणी का नियंत्रण 3. गृह व्यवस्था विभाग का कामकाज देखना **कोई अन्य, कोई दो**	1X2=2

18.	**सामने से कपड़े भरने वाली स्वचालित वॉशिंग मशीन(फ्रंट लोड) में धुलाई के सिद्धांत की दो विशेषताएं-** 1.टंबलिंग विधि द्वारा वस्त्रों की धुलाई होती है 2.क्षैतिज अवस्था में रखे बेलनकार टब में होती है जिसमें नियमित दूरी पर छोटे-छोटे छिद्र बने होते हैं 3. जब इस बेलनकार टब को घुमाया जाता है तो प्रत्येक चक्कर के साथ कपड़े ऊपर तक जाते हैं और फिर धुलाई वाले जल में गिर जाते हैं 4.कपड़े धुलाई के घोल में से गुजरते हैं **कोई अन्य, कोई दो**	1X2=2
19.	**रसोई घर के व्यवस्था विभाग के दो महत्वपूर्ण कर्तव्य-** 1.रेस्तरां तथा रसोई घर के भंडारण ,रखरखाव ,स्वच्छता तथा छुरी कांटे ,क्राकरी एवं कांच के बर्तनों को वितरित करना 2.रसोई घर में स्वच्छता बनाए रखना 3.उपयोग किए गए बर्तनों और कढ़ाईयों को साफ करना **कोई अन्य, कोई दो**	1X2=2
20.	**बुजुर्गों के लिए डे केयर खोलने के प्रबंधन के लिए आवश्यक दो कौशल–** 1.जन कौशल- किसी संगठन को चलाने या उसमें काम करने के लिए विभिन्न पदों पर काम करने वाले विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों से बातचीत करने की आवश्यकता होती है, निम्नलिखित कुछ ऐसे समूह जिनसे बातचीत करनी पड़ सकती है- (i) समुदाय (ii) निजी क्षेत्र (iii) सरकार में कार्यरत कर्मचारी (iv) संगठन में कार्यरत लोग 2.प्रशासनिक कौशल- किसी संगठन को चलाने में वित्त को संभालना / कर्मियों की भर्ती करना/स्थान किराए पर लेना / उपकरण खरीदना / रिकॉर्ड और स्टॉक बनाए रखना, आदि शामिल हैं **कोई अन्य, 1-2 पंक्तियों के स्पष्टीकरण के साथ कोई दो कौशल**	1X2=2
21.	**अवर्णी सुमेल एवं त्रणात्मक सुमेल में अंतर-** **अवर्णी सुमेल**: संबंधित वर्ण योजना है ,इसमें केवल उदासीन रंगों का प्रयोग किया जाता है। **त्रणात्मक सुमेल**: विषम योजना है, वर्ण चक्र पर एक दूसरे से समान दूरी परस्थित तीन रंगों का संयोजन होता है। **कोई एक अंतर**	1+1=2

Inner table for Q21:

अवर्णी सुमेल	त्रणात्मक सुमेल
संबंधित वर्ण योजना है ,इसमें केवल उदासीन रंगों का प्रयोग किया जाता है।	विषम योजना है, वर्ण चक्र पर एक दूसरे से समान दूरी परस्थित तीन रंगों का संयोजन होता है।

22.	**तीन तरीके जिनके द्वारा जीवन कौशल प्रशिक्षण उनके कार्य जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है -** 1. व्यक्तियों को स्वस्थ व्यवहार अपनाने में सक्षम बनाता है, विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में 2.अस्वास्थ्यकर या नकारात्मक व्यवहार के विकास को रोकता है 3.स्वस्थ जीवन कौशल के विकास को सुगम बनाता है और नकारात्मक स्वास्थ्य व्यवहार को रोकते हैं 4.उन कार्यों को प्रोत्साहित करता है जो व्यक्तिगत और सामाजिक विकास में योगदान करते हैं, अपने और अपने समुदायों के लिए स्वास्थ्य और विकास को बढ़ावा देते हैं 5.व्यक्तियों को समाज के भीतर प्रभावी ढंग से और रचनात्मक रूप से कार्य करने में मदद करता है 6.व्यक्तियों को अपने परिवार तथा समाज में आत्मविश्वास और क्षमता पूर्ण कार्य करने में सहायता प्रदान करते हैं **कोई अन्य, कोई तीन**	1X3=3
23 क. 23 ख.	**व्यवसायिक धुलाईघर चलाने के लिए तीन प्राथमिक कौशलों की आवश्यकता –** 1.कपड़े अपेक्षित देखभाल के प्रभाव के संदर्भ में विभिन्न प्रकार की सामग्रियों का ज्ञान जैसे कि रेशों की मात्रा ,धागा और कपड़ा उत्पादन तकनीक तथा कपड़ों का रंग एवं उन पर की जाने वाली परिसज्जा 2.वस्त्रों की देखभाल और रखरखाव के लिए काम आने वाली विभिन्न प्रकार की प्रक्रियाओं का ज्ञान 3.विभिन्न प्रकार की प्रक्रिया में प्रयुक्त रसायनों तथा अन्य अभिकर्मकों का और वस्त्र पर उनके प्रभाव का ज्ञान 4.वस्त्रों की देखभाल और रखरखाव से संबंधित मशीनों की आवश्यकताओं और उनके कार्यप्रणाली का व्यावहारिक ज्ञान **कोई अन्य, कोई तीन** **अथवा** **धुले हुए वस्त्रों से जल निष्कर्षण निम्न तीन विधियों द्वारा किया जा सकता है –** 1.चक्रण-300 चक्कर प्रति मिनट से अधिक गति से चक्रण होने पर एक अपकेंद्रीय बल उत्पन्न होता है, जो जल को पहले ऊपर की तरफ धकेलता है और फिर बाहर की ओर फेंक देता है। निष्कर्षित जल को मशीन में लगे पंप तथा पाइप द्वारा मशीन से बाहर निकाल दिया जाता है। 2.तली -निकास: छिद्रित टबों वाली मशीनें धुलाई की प्रक्रिया समाप्त होने पर और फिर खंगालने की प्रक्रिया समाप्त होने पर रुक जाती है और जल तली में नाली द्वारा बाहर निकल जाता है। निकास अवधि के अंत में टब ऊपर दिए अनुसार चक्रण करता है, जिससे कपड़ों में से बचा हुआ कुछ जल भी निकल जाता है।	1X3=3 **अथवा** 1X3=3

	3.तली -निकास और चक्रण का संयोजन: कुछ मशीन बिना रुके तली से जल निकास करती हैं अर्थात मशीन के तल से मैलयुक्त जल का निकास चक्रण प्रक्रिया के दौरान ही होता है। इससे टब के तल से पड़ी भारी गंदगी और जल में निलंबित गंदगी आसानी से निकल जाती है। **कोई अन्य, 1-2 पंक्तियों के स्पष्टीकरण के साथ कोई तीन**	
24 क.	**अभियान चुनने के तीन कारण–** **अभियान–** 1.लोगों का ध्यान सुनिश्चित करता है 2.लोगों में रुचि पैदा करता है 3.लोगों की स्मृति अभियान के विषय और उद्देश्य से जुड़ जाती है और लोग प्रोत्साहित होकर उस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए कार्य करते हैं 5.अभियान द्वारा प्रयुक्त कार्य व्यवहार अपनाने के लिए अनुकूल वातावरण बनाया जा सकता है **कोई अन्य, कोई तीन** **अथवा**	1X3=3 **अथवा**
24 ख.	**तीन अतिरिक्त कौशल जो पत्रकारों को वीडियो को प्रभावी ढंग से तैयार करने के लिए चाहिए-** 1.कैमरा / उपकरणों को सही ढंग से संचालित करना 2.सामग्री विकास और कार्यान्वयन 3.संपादन कौशल 4.साक्षात्कार लेने की क्षमता 5.संप्रेषण कौशल **कोई अन्य, कोई तीन**	1X3=3
25.	**कपड़ों में सरल रेखाओं के तीन प्रभाव –** 1. ऊर्ध्वारधर रेखाएं ऊपर और नीचे गति पर बल देती हैं, ऊंचाई का महत्व बताती हैं और वह प्रभाव देती हैं जो तीव्र, सम्मानजनक और सुरक्षित होता है। 2.क्षैतिज रेखाएं एक ओर से दूसरी ओर गति पर बल देती हैं और चौड़ाई के भ्रम का सृजन करती हैं, क्योंकि यह धरातली रेखा की पुनरावृत्ति करती हैं, ये एक स्थाई एवं सौम्य प्रभाव देती हैं। 3.तिरछी अथवा विकर्ण रेखाएं कोण की कोटि और दिशा पर निर्भर करते हुए चौड़ाई और ऊंचाई को बढ़ाती या घटाती हैं। यह एक सक्रिय, आश्चर्य जनक अथवा नाटकीय प्रभाव सर्जित कर सकती हैं। **कोई अन्य, कोई तीन**	1X3=3

	खंड ग (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)	
26.	**I. प्रीस्कूल बच्चों में संज्ञानात्मक विकास को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों को डिजाइन करने के लिए पियाजे के सिद्धांत का उपयोग-** प्रीस्कूल बच्चों को अपने तरीके से समझने के लिए अनुकूल परिवेश प्रदान करना **कोई अन्य, कोई एक** **II. वायगोत्स्की का प्रीस्कूल में समूह गतिविधियों पर लागू सामाजिक अधिगम का सिद्धांत-** पूर्वस्कूली शिक्षक को विशेष रूप से बच्चे की जरूरतों और क्षमताओं के बारे में जानकार होना चाहिए **कोई अन्य, कोई एक** **III. प्रारंभिक बाल्यावस्था व्यवसायिकों को पाठ की योजना बनाते समय दो दिशानिर्देश-** 1.कई गतिविधियों के लिए तैयार रहना 2.बच्चों के प्रति अनुकूल और लचीला होना 3.अपने कार्य योजना के अनुसार कार्यों को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित न करना **कोई अन्य, कोई दो**	1+1+2=4 1 1 1X2=2
27 क.	**I. मरीज द्वारा भोजन की स्वीकार्यता तथा भोजन उपभोग पर बीमारी के प्रभावों का आकलन करते समय आहार विशेषज्ञ को निम्न कारकों को ध्यान में रखना चाहिए–** 1.पोषण तनाव 2. मानसिक तनाव 3.भोजन की स्वीकार्यता पर बीमारी का प्रभाव 4.चिकित्सीय आहारों की स्वीकार्यता **कोई अन्य, कोई दो** **II. पोषण देखभाल प्रक्रिया में शामिल दो चरण जिनका एक आहार विशेषज्ञ को पालन करना चाहिए-** 1.पोषण स्थिति का मूल्यांकन 2.पोषण समस्याओं का निदान 3.पोषण संबंधी आवश्यकताएं पूरी करने के लिए वरीयता के आधार पर आहार सूची तैयार करना 4.पोषण देखभाल के परिणाम का मूल्यांकन करना और आवश्यकता अनुसार परिवर्तन करना **कोई अन्य, कोई दो**	2+2=4 1X2=2 1X2=2

	अथवा	**अथवा**
27 ख.	**I. पोषण संबंधी आवश्यकताओं के प्रबंधन में नैदानिक पोषण विशेषज्ञ की दो भूमिकाएं-** 1.जीवन चक्र के विभिन्न स्तरों की पोषण आवश्यकताओं के लिए आहार की सही तरीके से योजना बनाना 2.बीमारी की विभिन्न स्थितियों में आहारों में परिवर्तन करना 3.अस्पतालों में भर्ती मरीज या बाह्य रोगियों के साथ-साथ संस्थानिक परिवेशों के मरीजों के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देना 4.विभिन्न प्रकार के संस्थानिक परिवेशों में आहार सेवाओं का प्रबंध करना 5.दीर्घकालिक बीमारियों वाले रोगियों की मदद करना **कोई अन्य, कोई दो** **II. वर्तमान स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य में नैदानिक पोषण के दो महत्व-** 1.नई-नई बीमारियां सामने आई हैं 2.गैर संक्रामक बीमारियां न केवल व्यापक रूप से बढ़ रही हैं बल्कि बहुत कम उम्र में हो रही हैं 3.जनसंख्या का वह भाग बढ़ रहा है जिसे पोषण देखभाल सहायता और आहार सलाह की आवश्यकता है **कोई अन्य, कोई दो**	2+2=4 1X2=2 1X2=2
28.	**I. प्रोटीन ऊर्जा कुपोषण (पी.ई.एम) के दो कारण –** 1.बृहत् पोषकों अर्थात ऊर्जा और प्रोटीन का अपर्याप्त सेवन 2.भोजन की अपर्याप्त उपलब्धता 3. अपर्याप्त मातृ एवं शिशु देखभाल सेवाएं 4. अपर्याप्त स्वास्थ्य सेवाएं **कोई अन्य, कोई दो** **पी . ई . एम का मूल्यांकन –** पी.ई. म का मूल्यांकन मानवमितिक मापों (भार, ऊंचाई, सिर और छाती की परिधि, आदि) द्वारा किया जाता है **कोई एक**	3+1=4 1X2=2 1

		II सार्वजनिक स्वास्थ्य पोषण विशेषज्ञ की सामुदायिक स्तर पर पीईम की रोकथाम में भूमिका– 1.अच्छे पोषण को बढ़ावा देना और/ या पोषण संबंधी समस्याओं को रोकना 2. समस्या एवं उसकी व्यापकता की पहचान करना 3. यह समझना कि कैसे और क्यों यह समस्याएं पैदा होती हैं 4. कार्य नीतियों की योजना बनाना तथा उन्हें लागू करने के लिए कार्यवाही करना एवं उनके प्रभाव का मूल्यांकन करना **कोई अन्य, कोई एक**	1
29.		**I. एक कारक जो इंगित करता है कि भोजन खराब या नष्ट हो गया है-** 1.दुर्गंध आना 2.बनावट नष्ट होना 3.रंग बिगड़ना, भिन्न स्तर पर पोषण मान में कमी ,सौंदर्य बोध में कमी **कोई अन्य, कोई एक** **II. भोजन के खराब या नष्ट होने के कारक–** 1.पीड़क द्वारा खराब 2.कीटों का आक्रमण 3.संसाधन और/ अथवा भंडारण के लिए अपेक्षा से अनुपयुक्त ताप, 4.प्रकाश और अन्य विकिरणों, ऑक्सीजन और नमी का अत्यधिक प्रभाव 5.सूक्ष्मजीवों द्वारा संदूषण (जीवाणु, ईस्ट और फफूंदी) 6.कीटनाशकों जैसे रसायनों द्वारा संदूषण 7.प्राकृतिक रूप से उपस्थित एंजाइम द्वारा निम्नीकरण 8.फसल काटने या पशु वधू के बाद भौतिक और रासायनिक परिवर्तन **कोई अन्य, कोई तीन**	1+3=4 1 1X3=3
30.		**I. प्रौद्योगिकीविदों के लिए दो संभावित जीविका के अवसर–** 1.उत्पादन प्रबंधक 2.संवेदी मूल्यांकन 3.गुणवत्ता आश्वासन 4.शोध और विकास, उत्पादन विकास **कोई अन्य, कोई दो**	2+2=4 1X2=2

	II. हाल के दिनों में खाद्य प्रौद्योगिकीविदों के सामने दो महत्वपूर्ण चुनौतियाँ- **उत्पादन करना** – 1.उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य और अन्य बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप खाद्य पदार्थों का उत्पादन करना 2.विभिन्न प्रकार के सुरक्षित और सुविधाजनक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना 3.खाद्य पदार्थ रसायन, पीड़कनाषियों और परिरक्षकों से मुक्त हो परंतु उनका सुरक्षाकाल अधिक हो और वह अपनी प्राकृतिक महक बनाए रखे **कोई अन्य, कोई दो**	1X2=2
31.	**I. बीमा सेवाओं का उपयोग करते समय दो संभावित शिकायतें-** 1.उपभोक्ताओं को बिक्री के बाद प्रदान की जाने वाली खराब सेवाएं 2.सेवाओं के प्रदाता बिक्री अनुबंध के तहत जो वादा करते हैं उसे पूरा नहीं करते हैं 3.अत्यधिक दस्तावेज़ीकरण की आवश्यकता 4.अस्पष्ट नीति, नियम और शर्तें **कोई अन्य, कोई दो** **II. उपभोक्ता सुरक्षा सुनिश्चित करने में उपभोक्ता शिक्षा के तीन महत्व-** **उपभोक्ता की मदद करता है-** 1. शिकायत दर्ज करने और निवारण की मांग करने में 2. भ्रामक प्रथाओं को पहचानने और उनसे बचने में 3. अपने अधिकारों को समझने में 4. सूचित खरीद का निर्णय लेने में 5. वैश्विक बाजारों की चुनौतियों का सामना करने में 6. उनके कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए एक प्रगतिशील शक्ति के रूप में उभरना 7. सावधान, सतर्क और अच्छी तरह से सूचित करने में **कोई अन्य, कोई तीन**	2+3=5 1x2=2 1x3=3
32 क.	**प्राचीन काल से फैशन उद्योग में पांच प्रमुख विकास-** 1.18वीं शताब्दी के अंत तक सम्राट लुइस चौदहवें के कोर्ट के सदस्य अपनी रुचि को प्राथमिकता देते हुए ट्रेंडसेटर बन गए और पेरिस को फैशन की राजधानी बना दिया 2.फ्रांस के बहुत से शहर कोर्ट के रेशमी वस्त्र, रिबन और लेस भेज रहे थे	1X5=5

	3.औद्योगिक क्रांति ने वस्त्र निर्माण और परिधान उत्पादन की प्रौद्योगिकी उन्नति का प्रारंभ किया 4.कातने वाले यंत्र और मशीन करघों का आविष्कार हुआ 5.1859 में इसाक सिंगर ने सिलाई मशीन को पैरों से चलाने के लिए पांव चक्की विकसित की 6. 1849 में लेवी स्ट्रॉस, एक युवा लड़के ने टेंट और मालडिब्बों के कवरों के लिए बने कपड़ों का उपयोग करके ज्यादा चलने वाली पैंटें बनाईं जिनमें औजार रखने के लिए जेबें लगाई गईं 7.महिलाओं ने 1880 के दशक से स्कर्ट और ब्लाउज पहने शुरू किया 8.19वीं शताब्दी में मेलों और बाजारों के माध्यम से जनसाधारण को जेब के अनुकूल फैशन उपलब्ध कराए गए 9.1960 के दशक में सिले- सिलाए वस्त्रों को पहली बार बुटीक में पेश किया गया **कोई अन्य, कोई पाँच** **अथवा**	**अथवा**
32 ख .	**"फैशन चक्र" के पांच चरण-** 1.शैली की प्रस्तुति- डिजाइनर अपने शोध और रचनात्मक विचारों को परिधान में डालते हैं और फिर जनसाधारण को नई शैली उपलब्ध कराते हैं। 2.लोकप्रियता में वृद्धि -जब नया फैशन बहुत से लोगों द्वारा खरीदा ,पहना और देखा जाता है तो इसकी लोकप्रियता बढ़नी शुरू होती है। 3.लोकप्रियता की पराकाष्ठा- जब कोई फैशन लोकप्रियता की ऊंचाई पर होता है तो उसकी मांग इतनी अधिक हो जाती है कि बहुत से निर्माता उसकी नकल करते हैं या विभिन्न मूल्य स्तरों पर उसके रूपांतरण का उत्पादन करते हैं। 4.लोकप्रियता में कमी होना- अंततः उस फैशन की प्रतियों का भारी संख्या में उत्पादन होने से फैशन प्रिय व्यक्ति उसे शैली से ऊब जाते हैं और कुछ नया देखना शुरू कर देते हैं। इस घटती लोकप्रियता वाली सामग्री को दुकानों पर कम कीमत पर बेच दिया जाता है। 5.शैली का परित्याग अथवा अप्रचलन - फैशन चक्र के अंतिम पड़ाव में पहले वाले फैशन की सामग्री की मांग तथा बिक्री लगभग खत्म हो जाती है और इसी दौरान कई फैशन प्रेमी किसी नए फैशन तथा शैली को अपनाने लगते हैं और इस प्रकार एक नए फैशन चक्र की शुरुआत होती है। **फैशन चक्र के पांच चरणों को 1-2 लाइनों में समझाया गया है**	1X5=5